an>

Title: The Minister of External Affairs made a statement regarding recent incidents of attack on Members of Indian Diaspora in the United States of America.

विदेश मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज) : अध्यक्षा जी, मैं वक्तव्य देने से पहले कहना चाहती हूं कि खड़गे जी, सभी सांसद साथियों और आपने आशीर्वाद देते हुए जिस तरह से सदन में स्वागत किया है, उसके लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। यह आप सबकी शुभकामनाओं और मेरे कृष्ण की कृपा का परिणाम है कि इतनी अस्वस्थता के बावजूद बिल्कुल ठीक होकर मैं आज सदन में वापिस आई हूं।

अध्यक्षा जी, मैं हाल ही में संयुक्त राज्य अमरीका में रह रहे भारतीय और भारतीय मूल के नागरिकों पर हुए हमले की घटनाओं के बारे में इस पुनीत सदन में अपना वक्तव्य देना चाहती हूं।

पिछले 3 सप्ताह के दौरान संयुक्त राज्य अमरीका में भारतीय नागरिकों तथा भारतीय मूल के लोगों पर हमले की 3 घटनाएं सरकार के ध्यान में आई हैं :-

(i) 22 फरवरी को जीपीएस उपकरण निर्माता गार्मीन में कार्यरत 32 वÂर्षीय भारतीय इंजीनियर श्रीनिवास कुचीभोत्ला को कंसास सिटी के उपनगर ओलेथ में स्थित एक भीड़भाड़ वाले बार में एडम पुर्रीटोन नामक एक अमरीकी नागरिक ने गोली मार दी। एक और भारतीय नागरिक अलोक मदासानी, जो घटनास्थल पर मौजूद थे, भी इस गोलीबारी में घायल हुए। एक अमरीकी नागरिक ईयान ग्रीलॉट ने हमलावर को रोकने की कोशिश की तो उस पर भी गोली चलाई गई और वह इस घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों का उपचार किया गया और अब वो अस्पताल से घर आ गए हैं। हमलावर एडम पुर्रीटोन को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और इस मामले को फेडरल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन (एफबीआई) ने अपने हाथ में लिया है और वह इसे 'घृणाजनित अपराध' मानकर इसकी जांच कर रहा है।

(ii) 2 मार्च को भारतीय मूल के अमरीकी नागरिक हर्निश पटेल को कुछ अज्ञात लोगों ने लंकास्टर, साउथ कैरोलीना में गोली मार दी। शैरीफ तथा उनके परिवार वालों के

अनुसार संभवत: यह डकैती की घटना थी जिसने गलत मोड़ ले लिया। हमलावरों की पहचान करने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए जांच-पड़ताल की जा रही है कि यह नस्लभेद से प्रेरित अपराध तो नहीं है।

(iii) 4 मार्च को भारतीय मूल के एक अमरीकी नागरिक दीप राय को वाशिंगटन स्टेट में सिएटल के निकट केंट में कुछ अज्ञात लोगों ने गोली मार दी। कहा जाता है कि मारने के पहले उसे देश छोड़कर जाने को कहा गया। हमारी जानकारी के मुताबिक श्री राय सुरक्षित हैं तथा खतरे से बाहर हैं। अपराधी को अभी गिरफ्तार किया जाना है। केंट पुलिस विभाग द्वारा इस मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है जिसमें एफबीआई सहयोग कर रहा है।

जांच एजेंसियों को अभी यह तय करना है कि क्या यह घृणाजनित अपराध है। श्री दीप राय का उपचार किया गया है और उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। इन तीन मामलों में सरकार ने अपने राजदूतावासों तथा कोंसुलावासों के माध्यम से प्रभावित लोगों तथा उनके परिजनों को हर संभव सहायता देने के लिए उनसे तत्काल संपर्क किया। मैंने स्वयं श्रीनिवास कुचीभोत्ला और श्री दीप राय के परिजनों से बात की।

अध्यक्ष जी, सरकार ने इस मुद्दे को अमेरिकी सरकार के साथ काफी उच्च स्तरों पर उठाया है और उन्हें अपनी गहरी चिंताओं से अवगत कराया है। हमने वहां रहने वाले प्रवासी भारतीयों की संरक्षा और सुरक्षा और इन घटनाओं की शीघ्रातिशीघ्र जांच सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय करने के लिए कहा है। विदेश सचिव ने अपनी हाल की अमरीकी यात्रा (जो 28 फरवरी से 3 मार्च को हुई थी) के दौरान अमेरिकी प्रशासन के वरिÂष्ठ पदाधिकारियों और कांग्रेस के नेतृत्व के साथ अपनी बैठकों में इस मसले पर चर्चा की है। अमेरिकी प्राधिकारियों ने अत्यंत सकारात्मक रूप में अपनी प्रतिक्रिया दी है और हमें आश्वस्त किया है कि शीघ्र न्याय सुनिश्चित करने के लिए वे सभी संबंधित एजेंसियों के साथ मिल कर काम कर रहे हैं। अमेरिकी नेतृत्व द्वारा प्रशासन और कांग्रेस में इन घटनाओं की व्यापक निंदा की गई है। राष्Âट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 28 फरवरी को कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कंसास गोलीबारी की घटना का उल्लेख किया और कहा कि अमेरिका एक स्वर में घृणा एवं दुÂष्टता की सभी रूपों में निंदा करता है। विदेश सचिव के साथ अपनी बैठक के उपरांत प्रतिनिधि सदन के अध्यक्ष श्री पॉल रियान ने श्रीनिवास कुचीबोटला की हत्या के संबंध में सदन द्वारा व्यक्त संवेदना पर एक वक्तव्य जारी किया। सदन ने इस घटना पर कुछ देर मौन भी रखा। कंसास के गवर्नर सैम ब्राउनबैक ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं और घटना की पूर्ण जांच कराने का आश्वासन दिया है। प्रधानमंत्री को एक पत्र में गवर्नर ब्राउनबैक ने कहा कि वहां रहने वाले भारतीयों की सरलता, परिश्रम और संकल्प शक्ति और कंसास राज्य के लिए उनके योगदान की प्रशंसा करता है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि कंसास भारतीयों के लिए स्वागत और सत्कार करने वाला राज्य बना रहेगा। बहुत से सीनेटरों और कांग्रेस के सदस्यों ने भी इन दु:खद घटनाओं पर अपनी संवेदनाएं और खेद व्यक्त किया है। वह सभी अमरीका में भारतीय समुदाय के योगदान और भूमिका के हृदय से प्रशंसक रहे हैं।

अध्यक्ष जी, अभी हाल ही में 9 मार्च को अमरीका के होमलैंड सिक्योरिटी के सैक्रेटरी जॉन केली ने एक वक्तव्य जारी करके इन घटनाओं की जोरदार निंदा की। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा मैं सिर्फ व्यक्तियों के ही नहीं बल्कि सभी समुदायों में भय और अभित्रास बनाए रखने वाले किसी भी हिंसक कृत्यों की पुरजोर निंदा करता हूं। मैं इन घटनाओं की स्थानीय, राज्य और संघीय जांचों में सहायता के लिए होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के पूर्ण सहयोग का वचन देता हूं। सैक्रेटरी केली ने आगे कहा अमरीका का यह इतिहास रहा है कि उसने हमेशा लोगों का सत्कार किया है और उन्हें अपनाया है, चाहे वे किसी भी धर्म, नस्ल, जाति अथवा राष्ट्रीय मूल के हों। उन्होंने वचन दिया कि उनका विभाग उन विदेशी सरकारों के साथ मिल कर काम करेगा जिनके नागरिक इन हिंसक कृत्यों से प्रभावित हुए हैं।

अध्यक्ष जी, लोगों के बीच आपसी संपर्क ही वह आधार है जिस पर भारत-अमरीका रणनीतिक भागीदारी बनी है। यह तथ्य कि अमेरिकी समाज के सभी तबकों ने इन घटनाओं पर गहरा शोक और खेद व्यक्त किया है, हमें इस बात के प्रति पुनः आश्वस्त करता हैं कि इन अलग-अलग घटनाओं के बावजूद अमेरिकी समाज दोनों देशों के लोगों के परस्पर संपर्क को महत्व देता है। मार्च, 09 के विचार-विमर्श में श्री भर्तृहरि महताब और श्री मोहम्मद सलीम ने अमेरिका सरकार द्वारा जारी यात्रा परामर्शी का जिक्र किया था, जो मोटे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रिकों को भारत की यात्रा से बचने की सलाह देती है। मैं माननीय सदस्यों को आपके माध्यम से सूचित करना चाहूंगी कि वर्तमान में भारत के लिए कोई यात्रा परामर्शी लागू नहीं है। उनकी विश्वव्यापी सावधानी रिपोर्ट में भारत का संदर्भ भी शामिल है, जिसे अमेरिका विदेश विभाग प्रत्येक छह महीने (प्रत्येक वर्ष मार्च एवं सितम्बर) में जारी करता है। इन्हें खतरों के मोटे आकलन के तौर पर जारी किया जाता है। भारत के बारे में इस प्रकार के संदर्भ उनके पूर्व रिपोर्टों में शमिल किए जाते थे इसलिए इनका संबंध अमेरिकी प्रशासन में परिवर्तन से बिल्कुल नहीं है जैसी धारणा बनाई गई है। वास्तव में, भारत के विशेÂष संदर्भ में ऐसी बातें विगत की रिपोर्टों में कहीं अधिक विस्तार से कही जाती थीं। यात्रा परामर्शियां जारी करना एक सुस्थापित वैश्विक प्रथा है और भारत सरकार ने भी विगत में अमेरिका जाने वाले भारतीय नागरिकों के लिए विशेÂष स्थितियों के बारे में यात्रा परामर्शियां जारी की हैं।

इन माननीय सदस्यों के द्वारा इससे संबंधित एक और प्रश्न उठाया गया कि क्या सरकार के पास अमेरिका की यात्रा करने वाले अथवा अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के लिए परामर्शी जारी करने की कोई योजना है। मैं कहना चाहूंगी कि इन घटनाओं पर अमेरिकी राजनैतिक नेतृत्व तथा कानून प्रवर्तन अधिकारियों की शीघ्र एवं स्पÂष्ट प्रतिक्रिया और अमेरिका में चारों ओर से संवेदना एवं समर्थन के व्यापक संदेशों ने हमें यह विश्वास दिलाया है कि ये कुछ मुट्ठीभर लोगों से जुड़ी घटनाएं हैं और ये समूचे अमेरिका के नागरिकों की भारत के प्रति वास्तविक संवेदना को नहीं दर्शाती हैं। यह तथ्य इस बात की पुÂिष्ट करता है कि ईयान ग्रीलॉट अमेरिकी नागरिक ही हैं, जो दो भारतीयों की सहायता करने के लिए आगे आए और उन्हें बचाते हुए गंभीर रूप से घायल हुए। मैं उनकी बहादुरी को सलाम करती हूं और मुझे विश्वास है कि सदन मेरे साथ मिलकर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करेगा।

अंत में, मैं इस सदन तथा सदस्यों को पुनः आश्वस्त करना चाहूंगी कि विदेशों में बसे भारतीय डायस्पोरा की सुरक्षा तथा संरक्षा हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम अमेरिकी सरकार के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं। किसी भी आपातकालीन मुद्दे के समाधान के लिए हमारे दूतावास तथा कोंसुलावास स्थानीय भारतीय समुदाय के दलों के साथ निकट संपर्क बनाए हुए हैं। मैं विश्वास दिलाती हूं कि हम विदेशों में रहने वाले भारतीयों के जीवन को प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि के प्रति सतर्क रहेंगे और उनके हितों की रक्षा के लिए हर संभव कार्य करेंगे।

अध्यक्ष जी, उस दिन जब यह चर्चा हो रही थी, मैं टीवी के सामने बैठकर पूरी चर्चा सुन रही थी। खड़गे जी ने आरोप लगाया, पहले तो कहा कि पूरे प्रसंग पर सरकार चुप्पी साधे है और अंत में पूछा कि

सरकार चुप्पी क्यों साधे हैं? मैं आपके माध्यम से खड़गे जी और पूरे सदन को कहना चाहती हूं कि कोई भारतीय बाहर संकट में हो और यह सरकार चुप्पी साध ले, यह संभव ही नहीं है। यह हमारी कार्यशैली ही नहीं है। पूरा सदन और पूरा देश इस बात का साक्षी है कि अगर एक भी भारतीय संकट में आता है, तो 24 घंटे के अंदर उसकी पीड़ा का निराकरण हो, हम इसका प्रयत्न करते हैं।

मैं आपसे कहना चाहती हूं कि जिस समय यह घटना घटी, उस समय माननीय प्रधानमंत्री जी चुनाव प्रचार में लगे हुए थे, लेकिन हर दिन हमसे पूछते थे कि एमईए इसके लिए क्या कर रहा है और आगे क्या करने की योजना है। मैं कहना चाहती हूं कि उस समय मैं घर पर बैठकर स्वास्थ्य लाभ कर रही थी, मेरा रिकवरी पीरियड चल रहा था, लेकिन उसके बावजूद मैं व्यक्तिगत रूप से इन घटनाओं की निगरानी कर रही थी। जिस दिन यह घटना घटी, उसी दिन मैंने श्रीनिवास के पिता और उनके बड़े भाई के.के. शास्त्री से हैदराबाद में बात की। उनकी पत्नी सुनैना से बात करने के लिए कंसास फोन मिलाया। श्रीनिवास के भाई कैलिफोर्निया से कंसास पहुंचे हुए थे, उन्होंने कहा कि सुनैना अभी-अभी सोई हैं। मैंने कहा कि जगाएं नहीं, लेकिन जब उठें तो बता दें कि मैं उनसे बात करना चाहती हूं। इस बात को सुनैना और उनके परिवार वालों ने एक्नॉलेज किया है। सुनैना का एक पत्र, जो काउंसिल जनरल को गया है, मैं उसके दो अंश पढ़कर सुनाना चाहती हूं। जिस दिन यह घटना घटी, उस दिन काउंसिल जनरल के यहां से दो अधिकारी कंसास पहुंच गए। उसके बाद काउंसिल जनरल स्वयं वहां पहुंचे। उन्होंने अनुपम रे को मेल भेजी है। मैं आपकी अनुमति से दो-तीन अंश पढ़कर सुनाना चाहती हूं।

> "Dear Dr. Ray, Thank you so much for all the assistance that I received during the time of crisis. Words cannot describe how thankful I am to all of you. Thanks to Dr. Joshi for travelling immediately to Kansas and assisting us with all the formalities even on a holiday to the Consulate."

यह पहले अफसर थे जो वहां पहुंचे।

> "Dr. Ray, thanks much for travelling in person to Kansas and meeting Kansas Governor Brownback and taking up the issue and raising our concerns. Also, thank you for talking regarding my immigration status and requesting help from them. Appreciate all your help in time."

श्रीनिवास के परिवार के पांच लोगों ने सिर्फ थैंक्स करने के लिए मुझसे मिलने के लिए समय मांगा। इसी तरह से दीप राय के फादर सरदार हरपाल सिंह जी से मैंने उसी दिन बात की। उन्होंने मुझे कहा - पुतर जी, पुतर ठीक है, ओहदे बाजू ते सेंट लगी है, ओ अस्पताल विच है, खतरे तों बाहर है, मैं तुहाडा बहुत धनवादी हां, मैं कदे किसी मिनिस्टर तों एह नहीं सुनया कि ओ सिधि गॅल करदा है पर तुसीं गल कीती।

अध्यक्ष महोदया, मैं कहना चाहती हूं कि इस तरह की बात कहना कि हमने इस विषय को कहीं नहीं उठाया, हम इस पर चुप्पी साधे हुए हैं, तो यह बिल्कुल सिरे से गलत है। जितने कार्य हमने किये हैं, उनका जिक्र मैंने अपने वक्तव्य में किया है। लेकिन मैं यह अलग से कहना चाहती थी कि उन लोगों ने भी यह आरोप नहीं लगाया, जिनके घरों में ये घटनाएं हुई हैं कि सरकार चुप्पी साधे हुए है। सरकार ने न चुप्पी साधी थी और न सरकार चुप्पी साधे हुए है।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को आश्वस्त करना चाहती हूं कि किसी भी ऐसी घटना पर सरकार कभी चुप्पी नहीं साधेगी, बल्कि जो कुछ हमसे अपेक्षित है, उससे ज्यादा यह सरकार करेगी। इतना कहते हुए मैं अपना वक्तव्य समाप्त करती हूं।

माननीय अध्यक्ष : बहुत-बहुत धन्यवाद।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बहुत दिनों बाद आपकी दमदार आवाज इस सदन में गूंजी है। पूरे सदन को अच्छा लगा है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

[Placed in Library. See No. LT 6584A/16/17]